## दिवंगत शिक्षक को मिली सहायता राशि

**पानसेमल।** पीएमयूएमएस कर्मचारी शिक्षक संघ द्वारा दिवंगत कर्मचारी परिवार को कल्याण कोष के माध्यम से 32 लाख से अधिक कि सहायता प्रदान की गई। मध्यप्रदेश के पीएमयूएमएस शिक्षक संघ द्वारा कर्मचारी कल्याण कोष योजना के तहत मात्र 15 दिनों मे सीधे दिवंगत साथी के नॉमिनी सदस्य के खाते में ट्रांसफर की गई। दरअसल दिवनगत शिक्षक दिलीप सिंह लोधी जो शा प्रा विद्यालय मनका जिला दतिया मे पदस्थ थे। उनकी आकस्मिक मृत्यु के बाद दिवंगत शिक्षक के परिजन के खाते में प्रति शिक्षक 100 रूपए के सहयोग से यह राशि संकलित कि गई थी। शिक्षकों द्वारा उनके नॉमिनी खाते में सीधा पैसा जमा किया गया। यह पुनीत कार्य पीएमयूएमएस कर्मचारी कल्याण कोष के प्रांतीय संस्थापक सतीश खरे, प्रांतीय अध्यक्ष मनोहर अरजरीया, प्रांत सहयोजक पवन खरे के मार्गदर्शन में किया गया। उन्होंने बताया कि प्रदेश के 55 जिलों कि सहयोगी टीम ने सहयोग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 60 हजार से अधिक शिक्षक इस योजना से जुड़ चुके हैं। जिला अध्यक्ष रघुवीर सोलंकी, पानसेमल ब्लॉक अध्यक्ष मनोहर सोनवने ने बताया कि सम्पूर्ण प्रक्रिया ऑनलाईन माध्यम से दिवंगत साथी शिक्षक के नॉमिनी के खाते में सहयोग राशि भेजी जाती है। साथ ही संगठन के पोर्टल पर किए गए सहयोग राशि कि पूरी जानकारी रजिस्ट्रेशन नंबर सहित अपलोड की जाती है। पूरे जिले में शिक्षक ही एक-दूसरे का तकनिकी सहयोग करते हैं। जिले के समस्त शिक्षकों जिनके द्वारा सहयोग किया गया है। उनका आभार जताया एवं कहा कि आगामी कार्ययोजना अनुसार ही समस्त साथी कार्य करते रहेंगे।

## किसान परिवार का बेटा बना असिस्टेंट प्रोफेसर

**पानसेमल।** जनपद क्षेत्र के ग्राम जाहुर निवासी युवा का एमपीपीएससी के माध्यम से असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में चयन हुआ। जिनका परिवार सहित जनप्रतिनिधियों एवं क्षेत्रवासियों ने स्वागत किया है। वे किसान परिवार में जन्में होनहार कमलेश दिवान भंडारी ने कम उम्र में अपनी मेहनत और लगन से सफलता प्राप्त करते हुए माता-पिता एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उन्होंने लगातार मेहनत करते हुए लक्ष्य हासिल किया पर रसायन विज्ञान विषय में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर पहुंचे हैं ।पानसेमल जनपद पंचायत सदस्य एवं कृषि समिति अध्यक्ष जगदीश सुरेश भंडारी ने इस उपलब्धि के लिए कमलेश भंडारी का पुष्पहार पहनाकर एवं मुंह मीठा कर शुभकामनाएं दी है। वहीं परिजनों ने भी उनकी सफलता पर हर्ष व्यक्त किया है। इस अवसर पर संत योगेश महाराज, राजन भंडारी, देवास भंडारी, जगन भंडारी, दिलीप भंडारी, आदित्य भंडारी, बलराम भंडारी, गांव पटेल सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे। होनहार युवा कमलेश भंडारी ने सभी का आभार जताया है।

# शहर में बने सुविधाघर बदहाल, महिलाओं को सबसे ज्यादा परेशानी

### लाखों खर्च के बाद भी देखरेख नहीं, बाजार और व्यस्त क्षेत्र में शौचालयों की कमी बरकरार

**बड़वानी, (नवभारत)।**

शहर में विकास कार्यों के तहत नगर पालिका द्वारा कई सार्वजनिक शौचालयों सुविधाघरों का निर्माण किया गया है, लेकिन उनकी बदहाल स्थिति और कई प्रमुख क्षेत्रों में शौचालयों की अनुपलब्धता के कारण आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खासतौर पर मुख्य बाजार, चौराहों और व्यस्त मार्गों पर सुविधाघर नहीं होने से महिलाओं को सबसे अधिक असहज स्थिति का सामना करना पड़ रहा है।

स्वच्छ भारत मिशन के तहत कुछ साल पहले शहर में पुराने शौचालयों का जीर्णोद्धार कर उन्हें आधुनिक स्वरूप दिया गया। वहीं कई नए शौचालय भी बनाए गए। इसके बावजूद असामाजिक तत्वों द्वारा की गई तोड़फोड़ और नगर पालिका की लापरवाही ने इन सुविधाओं को बेकार बना दिया है। कारंजा चौक के पास बने शौचालय में मार्बल का पार्टिशन, हैंडवॉश बेसिन और नल टूटे हुए हैं। बस स्टैंड के पास स्थित शौचालयों की भी यही स्थिति है। रिक्शा पार्किंग के पास बने पुरुष शौचालय के आसपास गंदगी फैली है और अंदर-बाहर यूरिन फैला होने से बदबू और मच्छरों का प्रकोप बना हुआ है। गंदगी की वजह से लोग शौचालय के अंदर जाने से कतराते हैं और मजबूरी में खुले में पैशाब करने को विवश हैं। इससे स्वच्छता पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है। नगर पालिका द्वारा समय पर साफ-सफाई और मरम्मत नहीं किए जाने से आमजन में नाराजगी बढ़ रही है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं को ज्यादा शर्मिंदगी और असुविधा झेलनी पड़ रही है।

#### महिला प्रसाधन की कमी

कचहरी रोड़ से रणजीत चौक तक के मुख्य बाजार क्षेत्र में महिला प्रसाधन की कोई समुचित व्यवस्था नहीं है। रणजीत चौक स्थित नाले के भीतर बने कम्युनिटी टॉयलेट की स्थिति भी गंदगी के कारण खराब है, जहां महिलाएं जाना पसंद नहीं करती। जानकारी के अभाव में कई महिलाओं को परेशानी उठानी पड़ती है। शुगर और अन्य बीमारियों से ग्रसित पुरुष और महिलाओं के लिए यह स्थिति और भी कठिन हो जाती है। नई परिषद बने तीन वर्ष बीत जाने के बाद भी इस दिशा में ठोस पहल नहीं हो पाई है।

#### तोड़ दिए है पुराने सुविधाघर

शहर में आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर दावे तो किए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इससे अलग नजर आ रही है। सार्वजनिक शौचालयों की साफ-सफाई सर्वेक्षण का अहम हिस्सा होती है, जबकि कई स्थानों पर स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। शासकीय दूध डेयरी और दीनदयाल कॉम्प्लेक्स की बीच गली और सिर्वी मोहल्ला योगमाया मंदिर चौराहा स्थित पुराने शौचालय (सुविधाघर) तोड़ दिए गए हैं, लेकिन करीब एक साल बाद भी नए शौचालय नहीं बन पाए हैं, जिससे खुले में शौच की समस्या बढ़ रही है।

#### नए शौचालय के लिए कोई प्रस्ताव नहीं

शहर में स्वच्छ भारत मिशन के तहत आधुनिक शौचालयों का निर्माण किया है, लेकिन असामाजिक तत्वों ने हैंडवॉश बेसिन, टॉयलेट शीट और मार्बल पार्टिशन तोड़ दिए, जिससे सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचा है। जिससे आमजन को परेशानी हो रही है। महिलाओं के लिए जिला अस्पताल, झंडा चौक और मोटी माता चौक पर शौचालय उपलब्ध हैं। फिलहाल नए शौचालय निर्माण का प्रस्ताव नहीं है।

**रामकरण डावर, नपा राजस्व निरीक्षक एवं स्वच्छता अभियान प्रभारी**

#### आधुनिक स्वरूप दिया

- **पुराने शौचालयों का जीर्णोद्धार कर आधुनिक रूप दिया। मजबूरी में खुले में पैशाब करने को विवश हैं।**

# खबर प्रकाशन के बाद भी नहीं जागा प्रशासन

**निवाली, (नवभारत)।**

प्रगतिशील कार्य की प्रगति इस प्रकार है कि आगे पाठ पीछे सपाट। नगर से होकर गुजर रहे सेंधवा खेतिया स्टेट हाईवे पर इन दिनों पेचवर्क का कार्य प्रगति पर है।

ज्ञात हो कि इस कार्य के गुणवत्ताहीन होने की खबर नवभारत समाचार पत्र में प्रकाशित होने के बाद भी अधिकारियों ने शायद इस और ध्यान नहीं दिया। जिसके चलते इसी गुणवत्ताहीन तरीके से सैकड़ों मीटर का पेचवर्क कार्य कर दिया गया। जिसमें निवाली नगर से कुछ ही किलोमीटर दूर ग्राम बुधगांव में जहां पेचवर्क का कार्य किया गया। जिसमें साफ दिखाई दे रहा है कि उक्त कार्य में किस तरह की सामग्री का उपयोग किया गया है। उसकी क्या गुणवत्ता है। डामर मिश्रित चुरी उखड़ कर पूरी सड़क पर फैल गई है। वहीं आगे मौड़ होने से सड़क पर पेचवर्क की उखड़ी चुरी के कारण दो पहिया वाहनों के संतुलन बिगड़ कर गिरने की स्थिति उत्पन्न हो चुकी है। इस सारे कार्य को देख लगता है कि जो सामग्री का उपयोग किया गया है। पेचवर्क के लिए शायद वह सामग्री भारी वाहनों के बोझ को नहीं सह पा रही है। इसलिए पेचवर्क करने के अगले ही दिन उखड़ रहा है। वहीं जब इस संबंध में नवभारत अखबार ने संबंधित अधिकारी से दूरभाष पर चर्चा करने की कोशिश की गई, तो उनके द्वारा शायद व्यस्तता के चलते फोन नहीं उठाया गया। खबर लिखे जाने तक सबंधित अधिकारी से बात नहीं हो पाई।

# विहिप, बजरंग दल की जिला बैठक

**नवभारत न्यूज़**
**पानसेमल, 17 दिसम्बर**

विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल की जिला बैठक सेंधवा में निवाली रोड़ स्थित भगवान परशुराम मंदिर में सम्पन्न हुई। मंगलवार प्राप्त जानकारी अनुसार बैठक में आगामी समय में प्रखंडों एवं खंडों निकलने वाले शौर्य संचलन की तिथियों को लेकर चर्चा की गई। संगठन के विभाग मंत्री मनोज वर्मा ने शौर्य संचलन सहित अन्य विषयों के बारे में जानकारी दी। विभाग संगठन मंत्री वासुदेव पंड्या ने मातृशक्ति और बजरंग दल प्रशिक्षण वर्ग के बारे में बताया।

बैठक में जिला सह मंत्री गिरिश पाटिल ने निवाली प्रखंड और खंड कार्यकारिणी की घोषणा की। कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने का उच्चारण कर सहमति प्रदान की। बैठक का संचालन जिला सह मंत्री गिरीश पाटिल ने किया।

#### बैठक में यह हुए शामिल

बैठक में विभाग सह मंत्री ललित तवर, विभाग वक्ता प्रशिक्षण प्रमुख विरेंद्र शुक्ला, जिला अध्यक्ष गिरवर शर्मा, जिला सहमंत्री प्रीत जाधव जिला सहमंत्री सतिश मालवीय, जिला अर्चक पुरोहित प्रमुख भट्ट कुलकर्णी, सेंधवा प्रखंड अध्यक्ष राजेश शर्मा, प्रखंड सामाजिक समरसता प्रमुख आनंद शर्मा, पानसेमल प्रखंड अध्यक्ष हरी जाधव, निवाली प्रखंड संयोजक प्रकाशजी तावडे, आकाश सोनवाने सहित जिले के अन्य स्थानों से कार्यकर्ता पदाधिकारी शामिल हुए।

### एक नजर में

## बालाजी स्ट्राइकर और चिराग यूनाइटेड अगले दौर में

**महू.** विधानसभा स्तरीय सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत सांसद फुटबॉल कप प्रतियोगिता में दूसरे दिन सोमवार को दो शानदार मुकाबले खेले गए. प्रतियोगिता प्रभारी एवं भाजपा मंडल अध्यक्ष महेश यादव ने बताया कि स्पर्धा का पहला मुकाबला बालाजी स्ट्राइकर फुटबॉल क्लब महू और यूथ स्पोर्ट्स डेवलपमेंट एकेडमी फुटबॉल क्लब महू के मध्य खेला गया, जिसमें बालाजी स्ट्राइकर ने 3-0 से मुकाबला जीतकर अगले दौर में प्रवेश किया. प्रतियोगिता का दूसरा मुकाबला रसलपुरा फुटबॉल क्लब महू और चिराग यूनाइटेड फुटबॉल क्लब महू के मध्य खेला गया. कशमकश भरे इस मुकाबले का निर्णय पेनल्टी शूट आउट से हुआ, जिसमें चिराग यूनाइटेड 5-4 से विजयी रही. प्रतियोगिता में अतिथि के रूप में भाजपा के पूर्व नगर महामंत्री राजेश वर्मा एवं प्रख्यात फुटबॉलर ओपी बाथम, रूपचंद बड़ोनिया मौजूद थे. अतिथियों का स्वागत इंदौर जिला फुटबॉल संघ के चेयरमैन जगदीशचंद खोड़े, कन्वीनर अशोक पिल्ले, नीरज शर्मा, प्रवीण कांबले, अमित शुक्ला, शुभम् दीवार एवं विनोद मुकाती ने किया.

## महाराष्ट्र समाज ने हर्षोल्लास से मनाया शताब्दी समारोह

**महू.** नगर की अग्रणी संस्था महाराष्ट्र समाज ने अपना शताब्दी समारोह हर्षोल्लास से मनाया. अध्यक्षता संस्था के पूर्व अध्यक्ष बालकृष्ण रत्नपारखे, इंदौर ने की. इस अवसर पर समाज के पूर्व अध्यक्ष बालासाहेब रत्नपारखे, अविनाश जवखेड़कर, अशोक धोड़पकर, चिंतामन कुलकर्णी, शरद जोशी, अशोक डांगे, रविन्द्र घारे, प्रशांत तलेगावकर का सत्कार शॉल व श्रीफल देकर किया गया. साथ ही अक्षय जांभाळकर, निलेश राजापुरकर, नेहा जवखेड़कर को भी श्रीफल देकर सम्मानित किया गया. संचालन मुख्य सचिव स्मिता तळेगांवकर और सह सचिव मीता जोशी ने किया. सर्वप्रथम स्वागत गीत नेहा जवखेड़कर, नंदकुमार जवखेड़कर और रुद्र ने प्रस्तुत किया. शरद जोशी ने समाज के सौ साल का इतिहास प्रस्तुत किया. इस अवसर पर नंदिनी कुलकर्णी, डॉ. सोनाली शिवडेकर, डॉ. श्रीकांत शिवडेकर, अविनाश और नंदकुमार जवखेड़कर, साधना परांजपे ने अपने विचार प्रस्तुत किए. अंत में समाज की अध्यक्षा सीमा भावे ने आभार व्यक्त किया.

## शहर में एक ही रात तीन जगह भड़की आग, लाखों का नुकसान

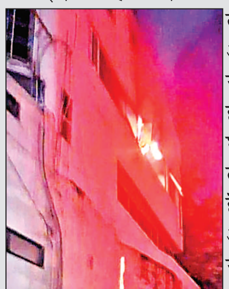

इंदौर. शहर में देर रात आग की घटनाओं ने अफरा तफरी मचा दी. तीन अलग-अलग इलाकों में लगी आग से कहीं ऑफिस का पूरा सेटअप जल गया तो कहीं घर की गृहस्थी राख हो गई. राहत की बात यह रही कि सभी घटनाओं में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन संपत्ति का भारी नुकसान हुआ है. फायर ब्रिग्रेड से मिली जानकारी के अनुसार रात करीब एक बजे जंजीरवाला चौराहा स्थित डायमंड कॉलोनी की एक बिल्डिंग में अचानक आग भड़क उठी. आग ओके टेक्सटाइल कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के ऑफिस में लगी, जिसने देखते ही देखते पूरे कार्यालय को अपनी चपेट में ले लिया. दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया.

# सौतेले पिता की घिनौनी हरकत छुपकर बनाता था वीडियो

- **पकड़े जाने पर दी धमकी, आरोपी गिरफ्तार**

**नव भारत न्यूज**

**इंदौर.** घर की चारदीवारी में भरोसे के रिश्ते को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है. एक युवती ने थाने पहुंचकर बताया कि उसके साथ रहने वाला उसका सौतेला पिता लंबे समय से उसकी निजता पर नजर रख रहा था और छुपकर आपत्तिजनक गतिविधियां कर रहा था. जब इस हरकत का खुलासा हुआ तो पीड़िता को धमकाया, जिसके बाद मामला पुलिस तक पहुंचा.

मामला बाणगंगा थाना क्षेत्र का है. यहां रहने वाली एक युवती ने पुलिस को बताया कि वह अपनी मां और सौतेले पिता के साथ रहती है. कुछ दिनों से उसे शक हो रहा था कि घर के भीतर कुछ गड़बड़ है. बाद में उसे पता चला कि उसका सौतेला पिता विश्वपाल रोजाना उसके पलंग के नीचे छुपकर बैठता था और जब वह कमरे में नहाती थी, तब उसके फोटो और रील बनाता था. युवती ने जब एक दिन उसे रंगे हाथों पकड़ लिया, तो आरोपी ने डराने धमकाने की कोशिश की. इस घटना से घबराई युवती ने पूरी बात अपनी मां को बताई. इसके बाद मां बेटी दोनों बाणगंगा थाने पहुंचे और पूरे मामले की शिकायत दर्ज करवाई. शिकायत मिलते ही पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया और उसे गिरफ्तार कर लिया. पुलिस का कहना है कि मामले की जांच और आरोपी से पूछताछ की जा रही है.

## ड्रोन पेट्रोलिंग से छिपे शराबखोरों पर पुलिस ने कसा शिकंजा

**इंदौर.** शहर में कानून व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पुलिस अब तकनीक का सहारा ले रही है. नई व्यवस्था के तहत ड्रोन पेट्रोलिंग शुरू की गई है, जिससे न केवल आपराधिक गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है, बल्कि छिपकर और खुले में शराबखोरी करने वालों की भी पहचान हो रही है. इस पहल के बाद कई क्षेत्रों में कार्रवाई तेज हुई है. पुलिस उपायुक्त जोन 2 कुमार प्रतीक ने बताया कि ड्रोन के जरिए की जा रही निगरानी में ऐसे कई लोग सामने आए हैं, जो खुले स्थानों, सुनसान इलाकों या फिर मकानों की छतों पर बैठकर शराब पीते पाए गए. ड्रोन पेट्रोलिंग के चलते विजय नगर, लसूड़िया, कनाड़िया सहित उन इलाकों में कार्रवाई की गई, जहां छुपकर शराबखोरी की शिकायतें लगातार मिल रही थीं. चिन्हित किए गए कई लोगों को मौके पर ही पकड़कर उनके खिलाफ कार्रवाई की गई.

# राजेन्द्र नगर में 28 वर्षीय महिला ने फांसी लगाई

- **पति की नींद खुलने पर सामने आया मामला**

**नव भारत न्यूज**

**इंदौर. सोमवार सुबह राजेन्द्र नगर थाना क्षेत्र में एक महिला द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटना सामने आई. सुबह नींद खुलने पर परिजन ने कमरे में महिला को फंदे पर लटका देखा. आनन-फानन में उसे नीचे उतारा और पुलिस को सूचना दी गई. सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजकर जांच शुरु कर दी है.**

थाना प्रभारी नीरज बिरथरे ने बताया कि घटना बिजलपुर क्षेत्र स्थित एबीसीडी बिल्डिंग की है. यहां रहने वाली 28 वर्षीय लक्ष्मी ने अपने ही घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. मृतका के पति ब्रजमोहन ने पुलिस को बताया कि रात में पत्नी उसके पास ही सो रही थी. सुबह करीब पांच बजे जब उसकी नींद खुली, तो उसने पत्नी को फंदे पर लटका हुआ पाया. घटना के समय दोनों बच्चे भी कमरे में ही सो रहे थे. और एक दिन पहले ही अपने पैतृक गांव राजगढ़ ब्यावरा से लौटे है. मामले में थाना प्रभार का कहना है कि फिलहाल आत्महत्या के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं. यह भी सामने नहीं आया है कि घटना से पहले दंपति के बीच किसी तरह का विवाद हुआ था या नहीं. मामले की जांच सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर की जा रही है. पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज परिजनों के बयान लिए जा रहे हैं.

# घर से गहने-नकदी लेकर प्रेमी संग रहने लगी विवाहिता

- **शादी का झांसा देकर करता रहा शोषण**
- **रकम खत्म होते ही मारपीट कर ट्रेन में बैठाया**

**नव भारत न्यूज**

**इंदौर. रिश्तों में भरोसा तोड़ने की एक और कहानी पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज हुई है. पति से अलग होकर नए जीवन का सपना देखने वाली एक विवाहिता को उसी व्यक्ति ने धोखा दे दिया, जिस पर उसने अपने पति को धोखा देकर सबसे ज्यादा विश्वास किया था. मामला सामने आने के बाद पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है.**

दरअसल, इंदौर के चंदन नगर में रहने वाली एक 23 वर्षीय शादीशुदा महिला ने अपने प्रेमी के खिलाफ बलात्कार, मारपीट और सिगरेट से दागने के गंभीर आरोप लगाए हैं.

पुलिस के अनुसार, पीड़िता ने थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए पुलिस को बताया कि उसकी जान-पहचान एक युवक एकांश उर्फ तरुण पिता जितेंद्र लुनियार, निवासी आशियाना पैलेस से थी. वह उसके पति का दोस्त था और पहले पड़ोस में ही रहता था. उससे बातचीत होती रहती थी. इसी बातचीत के दौरान युवक ने एक-दो बार उससे कहा कि वह उससे बेहद प्यार करता है और शादी करना चाहता है. उसने भरोसा देकर प्रेमजाल में फंसा लिया. इसी भरोसे के सहारे आरोपी ने उसे फरवरी 2025 में अपने घर बुलाया और रेप किया. इस तरह जब भी उसका पति काम पर जाता, वह उसे अपने कमरे पर बुला लेता और रेप करता रहा.

#### घर से दो लाख रुपए और गहने लेकर प्रेमी के साथ भाग गई थी महिला

महिला का आरोप है कि 26 अप्रैल 2025 को युवक ने उसे बहला फुसलाकर अपने साथ चलने के लिए तैयार कर लिया. इस दौरान वह अपने घर से करीब दो लाख रुपए नकद और सोने-चांदी के जेवर लेकर युवक के साथ चली गई. आरोपी उसे पहले पीथमपुर ले गया, जहां किराए पर कमरा लेकर दोनों रहने लगे. कुछ समय बाद वह उसे सावरिया सेठ (राजस्थान) और फिर सीहोर ले जाकर रहने लगा. इस दौरान आरोपी ने कई बार उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए और उसके सारे जेवर व नकदी खर्च कर दिए.

#### रुपए खत्म हुए तो महिला को ट्रेन में बैठाया

पीड़िता के अनुसार, जैसे ही नकदी खत्म हुई, युवक का व्यवहार बदल गया और वह महिला के साथ मारपीट करने लगा. जब पीड़िता ने आरोपी से अपने बच्चों के पास जाने की बात कही तो उसने कहा कि यदि शादी करनी है तो अकेले रहना पड़ेगा. विरोध करने पर वह मारपीट करने लगा. उसने एक-दो बार पीड़िता को सिगरेट से दागा और धमकी दी कि यदि वह घर जाने की जिद करेगी तो उसे जान से मार देगा. पीड़िता डर के साए में रहने लगी. पीड़िता ने पुलिस को यह भी बताया कि एक दिन युवक ने उसे सीहोर से इंदौर की ट्रेन में बैठा दिया और खुद वहां से चला गया. इंदौर पहुंचकर महिला ने चंदन नगर थाने जाकर अपने साथ हुई धोखाधड़ी को लेकर शिकायत दर्ज कराई. पुलिस ने विवाहिता की शिकायत पर युवक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है और जांच की जा रही है.

## ग्रीन फील्ड कॉरिडोर के खिलाफ किसानों की बाइक रैली कल

**इंदौर.** प्रदेश में विभिन्न विकास परियोजनाओं से प्रभावित किसानों का विरोध अब संगठित रूप लेने लगा है. ग्रीन फील्ड कॉरिडोर संघर्ष समिति बुधवार को विशाल मोटरसाइकिल रैली निकालकर अपनी ताकत का प्रदर्शन करेगी. किसान नेता हंसराज मंडलोई ने बताया कि ग्रीन फील्ड कॉरिडोर के साथ-साथ इंदौर-बुधनी रेलवे लाइन, आउटर रिंग रोड सहित अन्य प्रोजेक्टों से प्रभावित किसान भी इस रैली में शामिल होंगे. उनका कहना है कि जहां भी किसान संकट में होगा, वहां वे पूरी मजबूती से साथ खड़े रहेंगे. हाल ही में रेलवे लाइन और आउटर रिंग रोड से प्रभावित किसानों द्वारा निकाली गई ट्रैक्टर रैली के बाद अब मोटरसाइकिल रैली की तैयारी तेज कर दी गई है. किसान संघर्ष समिति का दावा है कि जिलेभर के प्रभावित किसानों को एक मंच पर लाने की कोशिश जारी है और बुधवार की रैली में बड़ी संख्या में किसान भाग लेकर आंदोलन को मजबूत करेंगे.

**समस्या** कभी दो-तीन दिन तो कभी पांच-छह दिन बाद आता है टैंकर, दूर-दूर से पानी लाने को मजबूर हैं वार्ड 38 के रहवासी

# सड़क चौड़ी करने के लिए नर्मदा पाइप लाइन ही कर दी बंद

**इंदौर.** अक्सर देखने में आया है कि जब भी शहर में कोई विकास कार्य आरंभ होते हैं, आम जनता की मुसीबतें बढ़ जाती हैं. जबकि नगर निगम द्वारा आम जनता की सुविधाओं के लिए विकास कार्य के दौरान विकल्प देना चाहिए. खजराना क्षेत्र में कई वार्ड लगते हैं, जिनमें वार्ड 38 भी मौजूद है. इसी वार्ड के सिकंदराबाद कॉलोनी से एक मामला सामने आया है. वार्ड में पहुंचते ही देखने में आया है कि घरों के बाहर पानी की केन, कुप्पी व अन्य बर्तन रखे हुए हैं और लोग पानी के टैंकर का इंतजार कर रहे हैं.

पूछने पर मालूम हुआ कि वार्ड के मुख्य रोड पर सड़क चौड़ीकरण कार्य प्रगति पर है और इस कार्य के दौरान नर्मदा लाइन काट दी गई है, जिसके कारण कई क्षेत्रों में पानी की सप्लाई ठप हो चुकी है. वहीं, सिकंदराबाद कॉलोनी में भी पिछले एक महीने से नलों में पानी नहीं आ रहा है, जिसके चलते क्षेत्र में पानी की किल्लत बढ़ चुकी है और लोग परेशान हैं. पानी जैसी अपनी मूलभूत जरूरत को पूरा करने के लिए दूसरे क्षेत्रों में दूर-दूर से पानी लाना पड़ रहा है. हालांकि, क्षेत्र में नगर निगम द्वारा पानी का टैंकर तो पहुंच रहा है, लेकिन छोटा टैंकर होने के कारण लोगों की पानी की पूर्ति नहीं हो पाती. इतना ही नहीं, एक टैंकर दो-तीन दिन छोड़कर पहुंच रहा है. इससे लोगों को पानी के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है.

#### यह बोले रहवासी...

क्षेत्र में पानी की किल्लत बहुत ज्यादा बढ़ चुकी है. टैंकर वाले भी घपला कर रहे हैं. कहते हैं कि निजी टैंकर है, पार्षद को फोन लगाने पर पता चलता है कि वह सरकारी है.

**- चांद बी**

पानी की परेशानी उठाते हुए लोगों को महीना होने को आ गया है. अब जब तक काम खत्म नहीं होता, सभी लोगों को पानी को लेकर परेशानी उठानी पड़ेगी. लोगों की सुविधाओं के लिए निगम को दूसरा उपाय करना चाहिए.

**- आमना बी**

पानी के लिए यहां-वहां भटकना पड़ता है. टैंकर वाले को फोन लगाओ तो चार से पांच दिन में आता है, जिससे पूरे बर्तन ही नहीं भर पाते हैं, ऐसे में पानी की पूर्ति नहीं हो पाती.

**- शाहीन बी**

**जल्द ही शुरू कर दी जाएगी पानी सप्लाई**-पानी की ट्रंक लाइन बार-बार धंसने से पानी की सप्लाई कई क्षेत्रों में बंद है. अधिकारियों से बात की गई है, उन्होंने लाइन सीमेंट कंक्रीट से निर्माण की है, जल्द ही पानी सप्लाई शुरू कर दी जाएगी.

**- उस्मान पटेल, पार्षद**